Mindbenz Vedic Values Olympiad (MVVO)

Sample Paper

कक्षा - 4

Maximum Marks: 40 Time Allowed – 45 Minutes

खंड 1: सद्गुण ज्ञान (प्रत्येक प्रश्न 1 अंक)

1. सत्य का पालन करने वाला कौन-सा कार्य है?

क. झूठ बोलना
ख. चोरी करना
ग. सच्चाई से बात करना
घ. धोखा देना

2. दया किस पर दिखानी चाहिए?

क. केवल इंसानों पर
ख. केवल अपने परिवार पर
ग. सभी प्राणियों पर
घ. दोस्तों पर

3. ‘अहिंसा’ का अर्थ क्या है?

क. पशु मारना
ख. किसी को चोट न पहुँचाना
ग. झगड़ा करना
घ. गुस्सा करना

4. परोपकार किसे कहते हैं?
क. दूसरों की मदद करना
ख. खुद की मदद करना
ग. मेहनत से बचना
घ. काम टालना

5. अहिंसा का पालन करने वाला कौन था?

MINDBENZ

क. सिकंदर
ख. रावण
ग. महात्मा गांधी
घ. अशोक

6. सच्चे इंसान की पहचान क्या होती है**?**

क. धोखा देना
ख. हमेशा सच बोलना
ग. चोरी करना
घ. क्रोधित रहना

7. दया और परोपकार की भावना से क्या होता है**?**

क. द्वेष फैलता है
ख. समाज बिखरता है
ग. समाज में शांति रहती है
घ. झगड़े होते हैं

8. अहिंसा का पालन कौन कर सकता है**?**

क. सिर्फ बच्चे
ख. सिर्फ साधु
ग. हर कोई
घ. केवल सैनिक

9. परोपकार करने से क्या लाभ होता है**?**

क. दूसरों का नुकसान
ख. सम्मान प्राप्त होता है
ग. कोई लाभ नहीं
घ. अपमान होता है

10. सत्य बोलने से क्या होता है**?**

क. डर लगता है
ख. सबका विश्वास मिलता है
ग. परेशानी आती है
घ. कोई असर नहीं

MINDBENZ

खंड 2 – वैदिक श्लोक व उनका अर्थ (प्रत्येक प्रश्न 1 अंक)

11. "सत्यमेव जयते" का अर्थ है:

क. असत्य की जीत
ख. हिंसा की जय
ग. सत्य की विजय
घ. दया की हार

12. "वसुधैव कुटुम्बकम्" का अर्थ है:

क. मेरा परिवार ही सब कुछ है
ख. पूरी दुनिया एक परिवार है
ग. पड़ोसी हमारे शत्रु हैं
घ. कोई रिश्ता नहीं होता

13. "अहिंसा परमो धर्मः" का अर्थ है:

क. हिंसा सबसे अच्छा धर्म है
ख. अहिंसा सबसे महान धर्म है
ग. झगड़ा धर्म है
घ. दया धर्म नहीं है

14. "मातृ देवो भव" श्लोक में क्या कहा गया है?

क. माँ की सेवा करो
ख. माँ को तुच्छ समझो
ग. माँ पर क्रोध करो
घ. माँ को भूल जाओ

15. "परोपकाराय सतां विभूतयः" का अर्थ है:

क. सज्जन लोग अपने लिए काम करते हैं
ख. सज्जन लोग दूसरों के लिए जीते हैं
ग. परोपकार करना पाप है
घ. परोपकार भूल जाना चाहिए

16. "शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्" का भावार्थ है:

MINDBENZ

क. शरीर व्यर्थ है
ख. धर्म का पहला साधन शरीर है
ग. शरीर की चिंता नहीं करनी चाहिए
घ. केवल पूजा ही धर्म है

17. "आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः**"** का अर्थ है**:**

क. केवल अपने विचार रखें
ख. अच्छे विचार सभी दिशाओं से आएं
ग. दूसरों के विचार बुरे होते हैं
घ. किसी से विचार न लें

18. "धर्मो रक्षति रक्षितः**"** का भावार्थ है**:**

क. धर्म नहीं बचाता
ख. धर्म की रक्षा से वह हमारी रक्षा करता है
ग. धर्म की कोई आवश्यकता नहीं
घ. धर्म को त्याग देना चाहिए

19. "शुचिः सदा भव**"** का अर्थ क्या है**?**

क. स्वच्छ और पवित्र रहो
ख. गंदा रहो
ग. लापरवाह रहो
घ. कपड़े नहीं धोओ

20. "विद्या ददाति विनयम्**"** का अर्थ है**:**

क. विद्या घमंड देती है
ख. विद्या विनम्रता देती है
ग. विद्या व्यर्थ है
घ. विद्या से दुख मिलता है

खंड 3 – चरित्र आधारित कथाएँ (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

कथा**:**

MINDBENZ

वेदव्यास महाभारत के रचयिता थे। उनका जन्म एक मछुआरी कन्या सत्यवती और महर्षि पराशर से हुआ था। वे बचपन से ही गहरे चिंतन और अध्ययन में लगे रहते थे। उन्होंने वेदों का विभाजन किया, जिससे चार वेद बने—ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। उन्होंने ज्ञान को व्यवस्थित किया ताकि साधारण लोग भी उसे समझ सकें। वे एक तटस्थ और निष्पक्ष व्यक्ति थे। जब पांडवों और कौरवों के बीच युद्ध की संभावना बनी, तब उन्होंने सबको युद्ध न करने की सलाह दी, लेकिन जब किसी ने नहीं सुनी, तो उन्होंने युद्ध के परिणामों की भविष्यवाणी की।

❓प्रश्न:

कथा:

21. वेदव्यास के पिता कौन थे?

क. विश्वामित्र
ख. पराशर
ग. वाल्मीकि
घ. नारद

22. वेदव्यास ने वेदों को क्यों विभाजित किया?

क. ताकि वे खो जाएं
ख. ताकि केवल ऋषि पढ़ें
ग. ताकि आम लोग समझ सकें
घ. ताकि युद्ध हो

23. वेदव्यास की सोच कैसी थी?

क. पक्षपाती
ख. क्रोधित
ग. तटस्थ और निष्पक्ष
घ. झगड़ालू

24. वेदव्यास ने महाभारत युद्ध के समय क्या किया?

क. युद्ध में हिस्सा लिया
ख. शांतिपूर्वक बैठ गए
ग. युद्ध की भविष्यवाणी की
घ. अर्जुन को युद्ध से रोका

25. वेदव्यास का मुख्य उद्देश्य क्या था?

क. राजा बनना

MINDBENZ

ख. ज्ञान फैलाना
ग. युद्ध कराना
घ. वेद छिपाना

कथा:
वाल्मीकि, जिनका पूर्व नाम रत्नाकर था, एक डाकू थे। नारद मुनि से मिलकर उनका जीवन बदल गया। वर्षों तक "राम" नाम का जाप करने के बाद वे एक महान तपस्वी बने। उन्होंने रामायण की रचना की, जो आज भी लोगों को मर्यादा, धर्म और कर्तव्य का मार्ग दिखाती है। उन्होंने इस ग्रंथ के माध्यम से भगवान राम के जीवन से यह सिखाया कि विपरीत परिस्थितियों में भी धर्म का पालन करना ही सबसे बड़ा पुरुषार्थ है।

26. वाल्मीकि ने किसका जीवन आदर्श रूप में प्रस्तुत किया**?**

क. कर्ण
ख. रावण
ग. राम
घ. दुर्योधन

27. रामायण हमें किस बात की शिक्षा देती है**?**

क. छल करना चाहिए
ख. धर्म और मर्यादा का पालन करना चाहिए
ग. बल प्रयोग ही समाधान है
घ. सत्य से दूर रहो

28. वाल्मीकि के जीवन में कौन-सा मुख्य परिवर्तन आया**?**

क. वे राजा बने
ख. वे अमीर बने
ग. वे डाकू से ऋषि बने
घ. वे तपस्या छोड़कर भाग गए

29. “राम” नाम का जाप करने से उन्हें क्या प्राप्त हुआ**?**

क. धन
ख. ज्ञान और शांति
ग. युद्ध की शक्ति
घ. डर

30. रामायण किस प्रकार का ग्रंथ है**?**

क. विज्ञान

MINDBENZ

ख. धार्मिक और नैतिक
ग. युद्ध का विवरण
घ. व्यापार पर आधारित

MINDBENZ

✅ उत्तर कुंजी

1. ग
2. ग
3. ख
4. क
5. ग
6. ख
7. ग
8. ग
9. ख
10. ख
11. ग
12. ख
13. ख
14. क
15. ख
16. ख
17. ख
18. ख
19. क
20. ख
21. ख
22. ग
23. ग
24. ग
25. ख
26. ग
27. ख
28. ग
29. ख
30. ख

MINDBENZ